

Padma Shri



DR. GARIKIPATI V.B. NARASIMHA RAO

Dr. Garikipati V. B. Narasimha Rao is a renowned Spiritual & motivational Orator, Litterateur, Poet and Maha sahasravadham. He has delivered over 11 thousand lectures across the globe. He is quite popular over all the Social Media platforms and is widely regarded as the best motivational speaker in Telugu in the recent times. A multi- faceted personality, he is known for his rational approach to spirituality.

2. Born on 1st June, 1955, Dr. Narasimha Rao received his Master's Degree in Telugu from Osmania University, Hyderabad in 1984 and M.Phil., Ph.D Degrees in Telugu in 1989 and 1992 respectively from Potti Sreeramulu Telugu University, Hyderabad. He has over 30 years experience in the field of Teaching and Education.

3. Dr. Narasimha Rao's unique classical poetry book "Sagaraghosha" in more than one sense may be described as a modern Telugu Epic. He had successfully recited 1116 stanzas of this magnum opus with perfect ease in 8 Hours thrice at 3 different venues. It is a world record and unbroken till this date. Apart from Sagaraghosha, he has published 18 books so far which are quite popular in Telugu states.

4. Dr. Narasimha Rao got recognition as an unparalleled monarch in the realm of Avadhana, the pride of Telugu. At a time 'DHARANA' of 750 poems (Maha sahasravadhanam) in 1996 is a record, till this date in the field of Avadhana. He has performed over 300 Ashtavadhanams, 10 Shathavadhanams and one Maha sahasravadhanam (first of its kind in the Literary History of Andhra Pradesh & Telangana). His expertise in the field of Spirituality and Motivation made him The Most followed speaker in Telugu states. As a no-nonsense speaker, he has explained the science behind various religious practices and advised the devout to shun the "blind beliefs" that have no rationale behind them.

5. Dr. Narasimha Rao is the recipient of numerous awards and honors. He was awarded Prathibha Puraskar in the field of Avadhana from Potti Sreeramulu Telugu University in 2000. He was felicitated with Kopparapu Sahitya Award in 2011, Sanathana Dharma Charitable Trust Award in 2012, Lok Nayak Foundation Award and Gurajada Award in 2016. He has received P.V. Narasimha Rao Memorial Award, Ramineni Foundation Award and Swami Vivekananda Life Time Achievement Awards in 2018. He was also awarded Kala Ratna Hamsa Puraskar from Government of Andhra Pradesh in 2017. He has received 8 awards especially for his creative work Sagaraghosha. He was awarded with titles Dharana Brahma Rakshasa, Pravachana Kireeti, Avadhana Kala Prapoorna and many more.

पद्म श्री



डॉ. गरिकिपाटि वि.बि नरसिंहा राव

डॉ. गरिकीपति वि.बि. नरसिंहा राव एक प्रसिद्ध आध्यात्मिक और प्रेरक वक्ता, साहित्यकार, कवि और महा सहस्रवादक हैं। उन्होंने दुनिया भर में 11 हजार से अधिक व्याख्यान दिए हैं। वह सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर काफी लोकप्रिय हैं और हाल के दिनों में व्यापक रूप से तेलुगु में सर्वश्रेष्ठ प्रेरक वक्ता के रूप में जाने जाते हैं। वे एक बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हैं और आध्यात्मिकता के लिए अपने तर्कसंगत दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं।

2. 1 जून, 1955 को जन्मे, डॉ. नरसिंहा राव ने 1984 में उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से तेलुगू में मास्टर डिग्री प्राप्त की और पोर्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय, हैदराबाद से क्रमशः 1989 और 1992 में तेलुगु में एम.फिल, पीएच.डी डिग्री प्राप्त की। उन्हें शिक्षण और शिक्षा के क्षेत्र में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव प्राप्त है।

3. डॉ. नरसिंहा राव की अनूठी शास्त्रीय काव्य पुस्तक " सागरघोष" को एक से अधिक अर्थों में एक आधुनिक तेलुगु महाकाव्य के रूप में वर्णित किया जा सकता है। उन्होंने इस महान कृति के 1116 श्लोकों का 8 घंटे में 3 अलग-अलग स्थानों पर तीन बार पूर्ण सहजता के साथ सफलतापूर्वक पाठ किया था। यह एक विश्व रिकॉर्ड है और इसे आज तक कोई तोड़ नहीं पाया। सागरघोष के अलावा, अब तक उनकी 18 पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं जो तेलुगु राज्यों में काफी लोकप्रिय हैं।

4. डॉ. नरसिंहा राव को तेलुगु के गौरव अवधान के क्षेत्र में एक अद्वितीय सम्राट के रूप में मान्यता प्राप्त है। वर्ष 1966 में एक समय में 750 कविताओं का 'धारण' (महासहस्रधानम्) अवधान के क्षेत्र में आज तक का एक रिकॉर्ड है। उन्होंने 300 से अधिक अष्टवधानम्, 10 शतवधानम् और एक महा सहस्रवधानम् का प्रदर्शन किया है (आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के साहित्यिक इतिहास में अपनी तरह का पहला)। अध्यात्म और प्रेरणा के क्षेत्र में इनकी विशेषज्ञता ने उन्हें तेलुगु राज्यों में सबसे अधिक फॉलो किया जाने वाला वक्ता बना दिया। एक संवेदनशील वक्ता के रूप में, उन्होंने विभिन्न धार्मिक प्रथाओं के पीछे के विज्ञान की व्याख्या की और भक्तों को उन "अंधविश्वासों" से दूर रहने की सलाह दी, जिनके पीछे कोई तर्क नहीं है।

5. डॉ. नरसिंहा राव को अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। उन्हें वर्ष 2000 में पोर्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय द्वारा अवधान के क्षेत्र में प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें वर्ष 2011 में कोप्पारापु साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष, 2012 में उन्हें सनातन धर्म चैरिटेबल ट्रस्ट अवार्ड दिया गया। वर्ष 2016 में लोक नायक फाउंडेशन अवार्ड और गुरजादा अवार्ड दिया गया। उन्हें वर्ष 2018 में पीवी नरसिंहा राव मेमोरियल अवार्ड, रमिनेनी फाउंडेशन अवार्ड और स्वामी विवेकानंद लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला है। उन्हें वर्ष 2017 में आंध्रप्रदेश सरकार ने कला रत्न हंस पुरस्कार से भी सम्मानित किया है।